

पद्मां चातु° . — 325, 14 फलान्यवे . — 330, 14 °नेनानन्वया . — 336, 7 पयो यत्रागूर्वा
 deest M. १., and seems to be in २ too only a part of the commentary, not a separate
 sūtra. — 8 (१२. ३. १५) . — 342, 23 न कर्क° . — 343, 16 °रोदनवाद्यवाग्रयणेऽपि
 चरुर्वोहितदुलमय एव स्यात् . — 344, 9 यागपक्षेऽप्यु . — 20 वत्सो दक्षिणा . — 351,
 10 °णस्यैवोक्तवात् . — 16 °णस्यैव वसतः कालः यतो ब्रह्मवर्चसं ब्राह्मणस्यैव युक्तम् . —
 357, 8 चतुश्च . — 358, 16 ब्रह्माति and ब्रह्मातीति . — 20 °प्यानीय बन्धनीयः . — 23
 नाबन्धनपक्षे नान्यबन्ध° . — 365, 1 ब्रह्मन्यस्ते E. I. H. 757. — 367, 8 and 9 देवा-
 नां व्रतपते व्रतेनादधऽइति . — 10, 11 °पते व्रतेनादधामोति . — 368, 8 ब्रह्मवे अधि-
 कारः . — 373, 1 del. सामसु . — 5 and 6 °होत्रां न होतव्यामिति मीमांसनऽइति वि-
 धिप्रतिषे° . — 374, 18 संमृज्य दर्भैरेव संमार्गः तत्रापि प्रथमं सुवस्य ततः सुचः . —
 385, 4 °द्वाप्रतिज्ञातोऽप्र° . — 12 °नमप्रतिज्ञा . — 386, 1 दधोत . — 387, 15 सर्वमपि .
 — 391, 22 °होत्रं वक्तव्यम् . — 393, 1 हस्तेन स्पृशति . — 23 and 24 °घोनुद्धृत्य नर्य .
 — 395, 25 समिध्यु° . — 402, 13 तेन पठ्यपि . — 411, 9 By क्षीरहोता चेत् begins in
 M. १. the next kandikā . — 428, 3 °घासा महाहविः शु° . — 441, 17 उत्पूर्वा . —
 445, 12 प्रसृताङ्गु° . — 448, 2 °न्नाध्वर्युमभि परिह° . — 459, 16 °द्वेष्टाकरणम् . — 460,
 4. 5 अभिचारं कुर्वन् अमुमभि°मन्त्रेण बहिर्वेदि . — 461, 6 धानायु° . — 462, 2 °घासा
 [इति] . — 463, 9 °याज्ञार्थस्या° . — 465, 4 होतृवरणम् . — 472, 2 °गात्रा . — 473, 8
 प्रतिसंस्तुतम् . — 476, 8 वारुणो°ध्वर्युः सुचौ सव्येन हस्तेन गृहीत्वा दक्षिणेन प्रतिप्रस्था-
 तुर्वस्त्रमन्वारभ्य . — 478, 13. 14 पूर्वपर्वकरण°न्धनो वाससो पत्नो°हिते अभूताम् ते वा-
 ससो दद्यात् . — 479, 7 °क्षिणापक्षा . — 11 °धारमाधारय° . — 21 °नमाप्नातम् . — 491,
 3 प्रयुनक्ति . — 495, 3 तु प्राप्तप्रतिषेधः . — 16 सशेषां . — 22 सकलेनेति . — 502, 19
 महिष्या इत्यादि (१५. ३. ६) . — 504, 12 °नीयम् सिद्धमिष्टिः . — 505, 7 °श्चरुः . — 508,
 14 सर्वसाकमेधार्थ° . — 509, 2 सोमाय वा पितृ° . — 20 °डाशं . — 510, 3 °कयेक्षुशला-
 क° . — 25 M. १. R. give . — 513, 19 प्रासुक्षौ . — 20 °क्रम्य गच्छति . — 522, 15 ग्रहणविस्मर-
 णे . — 525, 14 कृत्वा deest M. १. — 21 °क्ते न किंचनानुप्र° M. — 526, 8 del. व्रतगृहीत-
 वात् . — 530, 16 ताप्रणयनं च . — 532, 9 °वदाय . — 539, 1 °पाल इन्द्राय वा शुनासो-
 राय ॥५॥ — 25 श्वेतोऽश्वः . — 540, 10 °स्मिन्वाहनि . — 25 ५) ? पूर्वेषुश्चतुर्दश्यां २., and.
 — 542, 17 इदा . — 560, 13 °रुः ॥१०॥ सारस्वतश्चरुः ॥११॥ वा°लः ॥१२॥ . — 566, 17
 कालसंनिहितम् . — 576, 4 and 5 °भृद्धृत्पृ° . — 598, 1 यकृद्दृक्कौ . — 608, 19 तद्देवा-
 नामित्यु° . — 616, 15 वैश्वानरः . — 675, 22 °क्षिष्टायेति (५. ५) . — 694-698. alter the
 cyphers of the sūtras १-२८ in ६-२५. — 756. in sūtras ११ and २० R reads °न्दिन-
 मुत्तमेन तृतीयसवनमुकथ्य° . — 761, 4 अनूचानः . —